Hindi Murli Quiz 11-10-2015

.

Q.1) **Q. मुरली के शीर्षक को ध्यान में रखकर निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ----**

“मेरे-मेरे का देह-अभिमान -------ब्रह्मा बाप के कदम पर कदम रखो"

- छोड
- छोड़
- chod
- chodh
- छोद

Q.2) **Q. “ब्राह्मण जैसा श्रेष्ठ भाग्य सारे कल्प में कोई आत्मा का नहीं हो सकता क्योंकि हर ब्राह्मण आत्मा को जन्मते ही स्वयं ब्रह्मा बाप द्वारा मस्तक में स्मृति का तिलक लगता है। साथ-साथ हर ब्राह्मण आत्मा को पवित्रता के महामन्त्र द्वारा लाइट का ताज धारण कराते हैं और साथ-साथ हर ब्राह्मण आत्मा को विश्व कल्याणकारी आत्मा बनाए जिम्मेवारी का ताज धारण कराते हैं। डबल ताज है और भगवन स्वयं अपने दिल तख्तनशीन बनाते हैं। तो जन्मते ही तिलक, ताज और तख्तधारी बन जाते हैं।”**

A. ◉ सही
B. ○ गलत

Q.3) **Q. देह-अभिमान के विषय पर सही वाक्य ही टिक / चयन करें –**

A. ☑ देह का भान फिर भी हल्की चीज है, लेकिन देह का अभिमान बहुत सूक्ष्म है।
B. ☑ मेरा-मेरा, इसको ही देह का अभिमान कहा जाता है, जैसे- यह मेरा गुण है, यह मेरी सेवा है ।
C. ☑ यह प्रभू पसाद है, मेरा नहीं।
D. ☑ प्रसाद को मेरा मानना, यह देह-अभिमान है।
E. ☐ यह देह-अभिमान करना ही सम्पन्न बनना है।

Explanation: --यह देह-अभिमान छोड़ना ही सम्पन्न बनना है।“

Q.4) **Q. “बच्चों का लक्ष्य नम्बरवन सूर्यवंशी बनने का है । सूर्य की कलायें कम और ज्यादा नहीं होती। उदय होता है और अस्त होता है लेकिन चन्द्रवंशी मुआफिक कलायें कम नहीं होती। तो सूर्यवंश की निशानी है सदा एकरस और सदा विजयी। चन्द्रवंश को क्षत्रिय कहा जाता है, क्षत्रिय जीवन में कभी हार होती, कभी जीत होती। युद्ध करना अर्थात् मेहनत करना। चन्द्रवंश की कलायें एकरस नहीं होती, इसलिए लक्ष्य और लक्षण को समान बनाओ।“**

A. ◉ सही
B. ○ गलत

Q.5) **Q. आज बापदादा ने ‘फालो ब्रह्मा बाप’ विषय पर बहुमूल्य बातें कही हैं । उन सभी बातों को टिक करें ---–**

A. ☑ ब्रह्मा के हर कार्य के कदम रूपी पांव के निशान हैं।
B. ☑ पांव पर पांव रखकर चलना सहज होता है क्योंकि नया रास्ता नहीं ढूंढना पड़ता ।
C. ☑ हर कर्म करने के पहले यह सोचो कि मैं ब्राह्मण आत्मा जो कर्म कर रही हूँ क्या यह ब्रह्मा बाप समान है ।
D. ☑ चेक करो कि मेरा हर संकल्प, हर बोल ब्रह्मा समान है, अगर नहीं है तो नहीं करना है।
E. ☐ ब्रह्मा के हर कदम पर कदम फालो करते चलेंगे तो सम्पूर्णता की मंजिल कभी अनुभव नही करेंगे।

Explanation: ---ब्रह्मा के हर कदम पर कदम फालो करते चलेंगे तो सदा सम्पूर्णता की मंजिल समीप अनुभव करेंगे।

Q.6) **"ब्रह्मा बाप तो अव्यक्त इसलिए बनें क्योंकि उनको बंधन से भी मुक्त हो सेवा की रफ्तार तीव्र कराने के निमित्त बनना था, जिसका प्रत्यक्ष स्वरूप चारों ओर देख रहे हो। चाहे देश में, चाहे विदेश में अव्यक्त ब्रह्मा द्वारा तीव्रगति हुई है और होनी भी है। सेवा में तीव्र गति का निमित्त आधार ब्रह्मा बाप को बनना था। लेकिन राज्य अधिकारी एक ब्रह्मा बाप को नहीं बनना है, साथ में बच्चों को भी राज्य अधिकार लेना है। इसलिए साकार में निमित्त आप साकार-रूपधारी बच्चों को बनाया है। अन्त में बच्चों को व्यक्त में अव्यक्त फरिश्ता बन सम्पन्न होना है और करना है।"**

A. (◉) True
B. ( ) False

Q.7) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ------**

	Choice	Match
A	डबल लाइट फरिश्ता अर्थात	जो किसी भी प्रकार के व्यर्थ और निगेटिव संकल्प, बोल वा कर्म में पास हों।
B	बातों को नहीं देखो,	अपने को देखो।
C	फरिश्ता अर्थात् न देह-अभिमान, न देह-भान,	न ही भिन्न-भिन्न मेरेपन के रिश्ते हो, यह हद का रिश्ता खत्म।
D	विश्व कल्याणकारी की स्टेज है,	सदा बेहद की वृत्ति हो, दृष्टि हो और बेहद की ही स्थिति हो।

Q.8) **Q. "यह अपने अन्दर धुन लगाओ जो ब्रह्मा बाप का ------ वह ब्रह्मा बाप समान मेरा हर --------हो। ब्रह्मा बाप से सभी को प्यार है ना। तो प्यारे को ही फालो किया जाता है। बाप समान बनना ही है।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त दोनों रिक्त स्थान भरें ।

A. ( ) संकल्प
B. (◉) कदम
C. ( ) राय
D. ( ) बोल

Q.9) **Q."संगमयुग बधाइयों से ही वृद्धि पाने का युग है। बाप की, परिवार की बधाइयों से ही आप बच्चे पल रहे हो। बधाईयों से ही नाचते, गाते, पलते, उड़ते जा रहे हो। यह पालना भी वन्डरफुल है। तो आप बच्चे भी बड़ी दिल से, रहम की भावना से, दाता बनकर हर घड़ी एक दो को बहुत अच्छा, बहुत अच्छा कह बधाईयां देते रहो-यही पालना की श्रेष्ठ विधि है। इस विधि से सर्व की पालना करते रहो तो बधाइयों के पात्र बन जायेंगे।"**

A. (◉) सही
B. ( ) गलत

Q.10) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ----**

"अपना सरल स्वभाव बना लेना–यही समाधान -------- बनने की सहज विधि है।"

- स्वरूप
- सवरूप
- swroop
- swrup